



सोशियल मीडिया खतरा है क्या ?

★ प्रस्तावना

★ विषय विस्तार

- सोशियल मीडिया का बढ़ता उपयोग

- सोशियल मीडिया के गुण

- सोशियल मीडिया के अवगुण

- सोशियल मीडिया का सही इस्तेमाल

★ उपसंहार

★ सोशियल मीडिया - एक ऐसा विषय जो सदैव हो चर्चा और चिंता का विषय बना रहेगा। इसका अच्छा या बुरा कहे जाने का निष्कर्ष अत्यंत कठिन है। इसके गुण इसे दोषपूर्ण कहने से रोकते हैं व साथ ही साथ इसके अवगुण इसे संपूर्णतः अच्छे कहे जाने से भी रोकते हैं।

जब हम सोशियल मीडिया पर बात कर रहे हैं तो यह जानना अत्यावश्यक है कि आखिर ये होते क्या हैं। सोशियल मीडिया हम

(Note: Graded articles may be published in schoolwiki. So, Write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf).



किसी भी ऐसे संचार मार्ग को कह सकते हैं जहाँ हम अपने विचार व्यक्त कर सकते हैं, किसी विषय पर टिप्पणी कर सकते हैं, यहाँ तक कि एक नई क्रांति भी शुरू कर सकते हैं जिसमें शायद लाखों 'नेटिज़न' आपका साथ दें।
उदाहरण के लिए ट्विटर, इनस्टाग्राम, फेसबुक, इत्यादि।

★ - आज के आधुनिक युग में सोशल मीडिया का उपयोग सामान्य मानव के लिए तो किसी ऐसे ज्वर के समान चढ़ गया है जो उतरना असंभव सा प्रतीत होता है। प्रातः आँखें खोलते ही जैसेजैसे से लेकर रात्रि सोने से पूर्व पोस्टर देखने तक का आदि बन चुका है मनुष्य। बच्चे, बड़े, महिलाएँ सभी इसका प्रयोग करते हैं। जीवन के एक अद्वय अंग बन चुके हैं सोशल मीडिया।

★ - कहते हैं कि हर सिक्के के दो पहलू होते हैं। उसी प्रकार सोशल मीडिया की भी कुछ अच्छाईयाँ व बुराईयाँ हैं। सर्वप्रथम



गुणों की बात करते हैं। यह एक ऐसा संसाधन है जिससे हम बहुत कुछ अच्छा कर सकते हैं। यह जनता के लिए कई रूपों में सहायक है। इसके जरिए लोगों ने बहुत सारे आंदोलन भी किये जैसे कि 'मीटू'। इससे न जाने कितनी महिलाओं के लिए अपनी आपबीती को खुलकर कहना संभव हुआ। कई औरतों को न्याय भी मिला। इसके जरिए विभिन्न विषयों पर हम अपने विचार, अपनी टिप्पणी व्यक्त करते हैं। सरकार के द्वारा कलिय गये कुछ फैसले अपने हमें सही प्रतीत होते हैं तो कुछ गलत। इन निर्णयों पर हम अपना मत प्रकट कर सकते हैं। यदि कहीं किसी का शोषण हो रहा हो तो भी हम उसे दुनिया की दृष्टि में सोशल मीडिया के जरिये ला सकते हैं। कथाचित उस व्यक्ति की जिंदगी बदल जाय। सोशल मीडिया पर हम अपने गुणों का प्रदर्शन कर प्रख्यात हो सकते हैं, अर्थात् जरूरी नहीं है कि प्रत्येक व्यक्ति

(Note: Graded articles may be published in schoolwiki. So, Write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf).



पढ़ाई में ही उत्तीर्ण हो। कभी-कभी इंसान के अंदर कुछ ऐसे गुण छिपे होते हैं जिन्हें देख दुनिया चकित रह जाती है। ऐसे ही गुण उन्हें जीवन-यापन के लिए भी एक हद तक सहायता कर सकते हैं। सोशियल मीडिया पर कुछ ऐसे पेज भी होते हैं जो सामान्य जन की सहायता के लिए होते हैं जैसे कि कृषि से संबंधित जानकारीयों वाले पेज ऐसे लोगों के लिए बहुत उपयोगी होते हैं जो स्वयं खुद के लिए उत्पादन करना चाहते हैं।

सोशियल मीडिया के अवगुण भी कई प्रकार के हैं। 'सोशियल मीडिया ओडियन' - एक ऐसा विषय है जो बहुत हानिकारक है। यदि आप एक बार इस जाल में फँस गये तो वहाँ से बाहर निकलना अत्यधिक कठिन है। बच्चों से बड़े तक हर कोई इसकी लत से ग्रस्त है। बच्चों की पढ़ाई में सकारात्मक भंग करने में यह सर्वप्रथम

(Note: Graded articles may be published in schoolwiki. So, Write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf).



कारण माना जा सकता है। बड़ों की विकास और उत्पाद क्षमता घटने में भी यह एक चटक है। 'साशियल मीडिया ट्रैलिंग' भी आज कल एक साधारण विषय बन चुका है। फिल्मों सिताओं से लेकर सामान्य जनता तक सभी इससे पीड़ित हैं। किसी के कपड़े, उनके बात करने का तरीका, उनके विचार इत्यादि पर आहतपूर्ण तथा बुरी टिप्पणियाँ करने को हम ट्रैलिंग कह सकते हैं। न जाने इन 'बेनाम' लोगों को किसने यह हुक दिया कि वे किसी पर भी ऐसी टिप्पणियाँ करें।

सुबह से शाम तक साशियल मीडिया का उपयोग करने के कारण लोगों के स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। आँखों की क्षमता कम होती है, मोटापा बढ़ता है तथा हमारे विचार भी बहुत प्रभावित होते हैं। हम अपने परिवार को कम समय देने लगते हैं जिससे हमारे पारिवारिक संबंध भी



बिगड़ने लगते हैं। उनके रिश्तों में दरार आ जाती है।

★- हमारे लिए क्या सही है और क्या गलत, ये हमसे अच्छा और कोई नहीं समझ सकता। इसीलिए हमें यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि मानव ने इन सोशल मीडिया ऐप्स को बनाया है, सोशल मीडिया ने मानव को नहीं। हमें इन्हें खुद पर शासन का करने का अधिकार नहीं देना चाहिए। किसी भी चीज़ की अति कभी भी अच्छी नहीं होती। अत्यधिक लगाव व लत हमें हमारे ही नष्ट तक ले जाती है। अंग्रेजी में एक कहावत है कि "Never allow someone else

to command your life", अर्थात्

कभी भी किसी और के हाँथों में अपने जीवन की डोर मत दो। यही डोर हमें सोशल मीडिया के हाँथों में जाने से



रोकनी है और यदि चली गयी है तो उसे वापस प्राप्त करना है।

★ अंत में मैं यही कहना चाहूंगी कि सोशियल मीडिया का उपयोग व प्रभाव रोकना तो संभव नहीं है किंतु हमारे जीवन पर इसका असर नियंत्रित करना संभव है। सोशियल मीडिया खतरा है जब इसका उपयोग भ्रम में गलत दंग से व अनुचित किया जाये। साथ ही साथ यह एक वरदान है यदि हम अपनी सूझ-बूझ से इसका प्रयोग अपने और जनहित के लिए करें।

“न बुरा कहो इ-हे न अच्छा कहो
बस सोशियल मीडिया का सही उपयोग करें।”